

साँवरे क्या कहना | By Mueksh Bagda

गोरे गोरे गाल तुम्हारे हैं घुघराले बाल
साँवरे क्या कहना
गल बैजंती माल, चले तू तिरछी तिरछी चाल
साँवरे क्या कहना

अधरों पे मुरली सोहे भगतो के मन को मोहे
रूप तेरा साँवरे.....
तीखी अदाएं तेरी, तिरछी निगाहें तेरी
हम हुए बावरे.....
सोणा सा सिंगार श्याम तोहे निरखु बारम्बार
साँवरे क्या कहना

जादू चलाया तूने अपना बनाया तूने हम तेरे हो गए
साँवली सलोनी प्यारी चंचल छवि है न्यारी, चितवन में खो गए
तन मन दूँ मैं वार, कन्हैया लेऊँ नज़र उतार
साँवरे क्या कहना

फूलों का हार तेरा, हर्ष ये सिंगार तेरा मनवा लुभा गया
साँवरा दीदार तेरा, नशीला खुमार तेरा भगतो पे छा गया
भूले होश हवास ओ कान्हा आज तुम्हारे दास
साँवरे क्या कहना

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b8%e0%a4%be%e0%a4%81%e0%a4%b5%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%95%e0%a5%8d%e0%a4%af%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a4%b9%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-mueksh-bagda/>